

**धाकर पुं.** (देश.) 1. कुलीन ब्राह्मण 2. आगरा के आसपास की राजपूतों की एक जाति 3. पंजाब में एक गेहूँ जिसे बहुत कम जल की आवश्यकता होती है 4. वर्णसंकर।

**धागा पुं.** (देश.) 1. सूत, तागा, डोरा 2. लाक्षणिक रूप में दो पक्षों को जोड़ने वाली वस्तु प्रयो. तमाम भिन्नताओं के बावजूद इस देश के लोग राष्ट्र-प्रेम के धागे से बँधे हुए हैं।

**धाटी स्त्री.** (तत्.) आक्रमण, हमला।

**धाड़ स्त्री.** (देश.) 1. चिल्ला कर रोने का शब्द प्रयो. अपने घर को जलता देख वह धाड़ें मारकर रोने लगी मुहा. धाड़ मारना- चिल्ला-चिल्ला कर विलाप करना 2. झुंड, जत्था उदा. धाड़ की धाड़-बंदर वहाँ आ गए 3. डाकुओं का धावा, आक्रमण या छपा 4. डाढ़, दाढ़ 5. दहाड़।

**धाड़ना अ.क्रि.** (तत्.) दहाड़ना।

**धाड़स पुं.** (देश.) ढाड़स, तसल्ली, सांतवना।

**धाड़ी स्त्री.** (देश.) डाकू तथा लुटेरों का दल या जत्था पुं. ढाड़ी, डाकू, लुटेरा।

**धाणक पुं.** (तत्.) 1. प्राचीन मुद्रा या परिमाण 2. एक जाति।

**धात स्त्री.** (तद्.) दे. धातु।

**धातकी स्त्री.** (तत्.) 1. धव का फूल 2. एक प्रकार का झाड़ जिसके फूल रंगारंग के काम आते हैं।

**धातविक वि.** (तत्.) 1. धातु से निर्मित 2. धातु से संबंधित।

**धातवीय वि.** (तत्.) 1. धातु संबंधी प्रयो. उस पदार्थ के धातवीय गुणों का अध्ययन किया गया 2. धातु का बना हुआ।

**धाता पुं.** (तद्.) 1. ब्रह्मा 2. विष्णु 3. शिव, महादेव 4. भृगु ऋषि के एक पुत्र 5. वायु के 49 प्रकारों में से एक 6. साठ संवत्सरों में से एक 7. शेषनाग 8. सूर्य के 12 भेदों में से एक 9. ब्रह्मा के एक पुत्र 10. विधाता 11. टगण का आठवाँ भेद 12.

सप्तर्षि 13. उपपति, जार 14. प्रबंधक, व्यवस्थापक वि. 1. धारण करने वाला 2. पालक 3. रक्षक।

**धातापुष्पिका स्त्री.** (तद्.) धातकी।

**धातापुष्पी स्त्री.** (तत्.) धातकी, धौ का वृक्ष या फूल।

**धातु स्त्री.** (तत्.) भौ. वह द्रव्य या पदार्थ जो मजबूती, आघातवर्धनीयता, अपारदर्शिता, अपेक्षाकृत उच्च घनत्व, द्युति, बिजली और ऊष्मा के प्रति सुचालकता, तन्यता तथा परावर्तकता आदि गुणों से युक्त हो वैद्यक 1. रस, रक्त, माँस, अस्थि, मज्जा एवं शुक्र शरीर निर्माण के ये सात पदार्थ 2. वात, पित्त, कफ 3. वीर्य मुहा. धातु गिरना या जाना- मूत्र के साथ वीर्य के निकलने का रोग 4. संस्कृत भाषा में क्रियाओं के मूल रूप जैसे- कृ, धृ, भू आदि 5. पंचमहाभूत यथा- पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश 6. बुद्ध अथवा अन्य बौद्ध महापुरुषों की अस्थियाँ जिन्हें बौद्ध छोटे से सुंदर पात्र में सुरक्षित रखते हैं और इनकी पूजा करते हैं, सामान्यतः इन्हें स्तूपों में रखा गया है 7. परमात्मा, परब्रह्म 8. आत्मा 9. इंद्रिय 10. अंश, भाग या खंड।

**धातुक पुं.** (तत्.) कच्ची या अपरिष्कृत धातु, अयस्क। ore

**धातुकर्म पुं.** (तत्.) धातु संबंधी विज्ञान, अयस्क तथा अन्य गौण स्रोतों से धातु निष्कर्षण, परिष्करण एवं उसे उपयोग में लाने से संबंधित तकनीक व ज्ञान दे. धातुविज्ञान।

**धातुकाल पुं.** (तत्.) इतिहास का वह युग जब सामाजिक विकासक्रम में मनुष्य ने धातु का उपयोग करना सीखा जैसे- कांस्ययुग, लौहयुग इतिहास के अलग-अलग धातुकाल हैं।

**धातुकाशीस पुं.** (तत्.) कसीस, लोहे का एक यौगिक, हरा थोथा।

**धातुकासीस पुं.** (तद्.) कसीस।

**धातुकुशल वि.** (तत्.) धातु के कार्य में निपुण।

**धातुक्षय पुं.** (तत्.) 1. शरीर के तत्वों का क्षय 2. प्रमेह आदि रोग जिससे शरीर से धातु या वीर्य का क्षय होता है।